Note : If u would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

अल्पपरिचितसैद्धान्तिक शब्दकोष भाग-४

फोल्डर नं.	०१६०७७
ग्रन्थ	अल्पपरिचितसैद्धान्तिक शब्दकोष भाग-४
लेखक	आचार्य श्री आनंदसागरसूरिजी
संपादक	मुनि कंचनविजयजी, मुनि क्षेमंकरसागरजी
प्रकाशक	देवचंद लालभाई जैन पुस्तकोद्धार फंड – सुरत
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९७४
पृष्ठ	२८६

मुख्य टाईटल
प्रकाशकीय
अनुक्रमणिका
फंदई ---------- ७५३
फुरफुरेंत ---------- ७५८
बद्धफला ---------- ७६३
बहुरुवा ---------- ७६८
बिगुणं ---------- ७७३
बोंडज ---------- ७७७
भधय ---------- ७८२
भयवं ---------- ७८६
भायण ---------- ७९२
भासाचञ्चलो ---------- ७९७
भुत्त ----------८०२
भोगकडं ---------- ८०७
मंडलिक्षो ---------- ८१२
मग्गई ---------- ८१७
मणसंखेवो ---------- ८२२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

मध्यमबुद्धि---------- ८२७
मल्लचलणाकृति ---------- ८३२
महाकाल ---------- ८३७
महालिया ---------- ८४२
महेसी ---------- ८४७
मायाकार---------- ८५२
मिच्छदिट्ठिया ---------- ८५७
मुक्खगई ---------- ८६२
मुरुडपृथिवी ---------- ८६७
मेयज्जे ---------- ८७२
यक्षदिन्न ---------- ८७७
रतिकर्म्म ---------- ८८२
रसमान ---------- ८८७
रायपेसिया ---------- ८९२
रुडित ---------- ८९७
रोगमक्कडं ---------- ९०२
लट्ठतर ---------- ९०७
लाटा ---------- ९१२
लेसागई ---------- ९१७
लोयफूड ---------- ९२२
वई ----------९२७
वच्छल्लया ---------- ९३२
वणसंड ---------- ९३७
वन्नईस्सामि ---------- ९४२
वरुणा ---------- ९४७
वसई ---------- ९५२
वाणप्पत्थ ---------- ९५७
वालगंड ---------- ९६२
विआलए ---------- ९६७
विगयसत्थ ---------- ९७२
विज्जाईसय ---------- ९७७
विततपक्षी ---------- ९८२
विप्रतारण ---------- ९८७
वियणाविभाणियव्व ---------- ९९२
वियारिओ ---------- ९३९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

विसहनंदी ---------- १००२
विहिण्णू ---------- १००७
वीहि ---------- १०१२
वेणुदेव ---------- १०१७
वेसाणिय ---------- १०२२
शुद्धि – पत्रकम ---------- १०२७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org